part (b) above, the cost of production of both controlled and de-controlled fertilizers gets reduced, resulting in proportionate saving in subsidy in the case of controlled fertilizers, and availability of decontrolled fertilizers to farmers at cheaper prices.

भारतीय उर्वरक निगम के गोरखपुर स्थित एकक का पुनरुद्धार

3588. **श्री राम रतन राम :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय उर्वरक निगम के गोरखपुर स्थित एकक, जो कि रुग्ण हो चुका है, के पुनरुद्धार के संबंध में 9 मार्च, 1992 को प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था; और

(ख) यदि हां, तो सरकार इस बारे में क्या कार्यवाही कर रही है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिन्ता मोहन): (क) जी, हां।

(ख) 10.6.90 को संयंत्र में दुर्घटना के कारण गोरखपुर एकक के बन्द होने के पश्चात्, फर्टिलाइजर कार्पोरेशन आफ इंडिया के संयंत्र का स्पिक, एम एम ओ, फीडो और पी डी आई एल जैसे विशेषज्ञ अभिकरणों के माध्यम से स्वास्थ्य सर्वेक्षण किया गया था। एफ सी आई के बोर्ड द्वारा पी डी आई एल और फीडो की स्वास्थ्य सर्वेक्षण पर आधारित सिफारिशों पर विचार किया गया था, जिन्होंने 837 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर 1500 टन प्रतिदिन यूरिया और 900 टन प्रतिदिन अमोनिया की क्षमता के साथ विद्यमान स्थान पर नेफथा पर आधारित नये उर्वरक संयंत्र को स्थापित करने की वरीयता दी है। इस बीच, औद्योगिक और वित्तीय पुनर्संरचना बोर्ड (बी आई एफ आर) द्वारा कम्पनी को रुग्ण कम्पनी के रूप में घोषित किया जा चुका है और सरकार को निर्देश दिया गया है कि वह 31.3.1993 तक एक पुनर्वास योजना प्रस्तुत करे।

Submission of information under DPCO, 1987 by companies

3589. SHRI J. S. RAJU: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that his Ministry has approached the Food and Drug administrations of States to get details regarding price, submission of different forms as required under DPCO, 1987 from drug companies;

(b) whether it is also a fact that his Ministry have adopted different approach with the Food and Drug Administrations;

(c) whether it is also a fact that in certain cases his Ministry is taking up the matter with the head of administration; and

(d) what is the procedure in his Ministry and the authority empowered to take decision in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI CHINTA MOHAN): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) ant (d) Such administrative matters are dealt with at appropriate levels from time to time.

Diversion of funds from IDPL

3590. SHRIMATI KAMLA SINHA:
SHRI H. HANUMANTHAPPA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether IDPL was allowed to divert its funds to the tune of Rs. 20 crores for meeting cash losses for four running years; and if so, the reasons therefor;

(b) the persons/officials responsible for this diversion of fund; and

(c) what action Government propose to take against the persons involved in it?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI CHINTA